

उत्तर कोरिया पर अमेरिकी प्रतिबंध

प्रलिस के लयः

उत्तर कोरियाई मसल लॉन्च, कोरियाई युधवरलम समझौता ।

मेन्स के लयः

कोरियाई युध, कोरियाई युधवरलम समझौता, शीत युध, वर्ष 2003 में अपरसार संधि(NPT), 'थाड' (टर्मनल हाई एल्टीट्यूड एरया डफेंस), उत्तर कोरिया पर अमेरिकी प्रतिबंध ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अमेरिका ने उत्तर कोरिया के मसल कार्यक्रमों की एक शृंखला के बाद उत्तर कोरिया के हथयार कार्यक्रमों पर अपना पहला प्रतिबंध लगाया है ।

- इन प्रतिबंधों का उद्देश्य उत्तर कोरिया के कार्यक्रमों की प्रगतको रोकना और हथयार प्रौद्योगकियों के प्रसार के उसके प्रयासों को बाधति करना है ।
- संयुक्त राष्ट्र सुरकषा परिषद के कई प्रस्तावों और कूटनीति एवं परमाणु नरिसत्रीकरण के लयि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आह्वान के बावजूद उत्तर कोरिया अपने मसल कार्यक्रम को जारी रखे हुए है ।

प्रमुख बडि

- कोरियाई प्रायद्वीप में फूट की उत्पत्तः
 - अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वर्तमान संघर्ष का इतहास सोवयित संघ व अमेरिका के बीच **शीत युध** में खोजा जा सकता है ।
 - **द्वतीय वशिव युध** में जापान की हार के बाद 'याल्टा सम्मेलन' (1945) में मतिर देशों की सेना 'कोरिया पर फोर-पावर ट्रस्टीशिपि' स्थापति करने हेतु सहमत हुई ।
 - 'साम्यवाद' (कसी देश के आर्थकि संसाधनों पर राज्य का स्वामतिव) के प्रसार के डर और सोवयित संघ व अमेरिका के बीच आपसी अवशिवास के कारण ट्रस्टीशिपि योजना वफिल हो गई ।
 - इससे पहले किकोई ठोस योजना तैयार की जा सके, सोवयित संघ ने कोरिया पर आक्रमण कर दिया ।
 - इससे एक ऐसी स्थति पैदा हो गई जहाँ कोरिया का उत्तर क्षेत्र यूएसएसआर के अधीन तथा दक्षणि क्षेत्र ओर उसके बाकी सहयोगी, मुख्य रूप से अमेरिका के अधीन थे ।
 - 38वें समानांतर रेखा द्वारा कोरियाई प्रायद्वीप को दो क्षेत्रों में वभाजति कयिा गया था ।
 - वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने पूरे कोरिया में स्वतंत्र चुनाव का प्रस्ताव रखा ।
 - यूएसएसआर ने इस योजना को खारजि कर दिया और उत्तरी भाग को डेमोक्रेटकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया) के रूप में घोषति कयिा गया ।
 - चुनाव अमेरिकी संरक्षण में हुआ जिसके परिणामस्वरूप कोरिया गणराज्य (दक्षणि कोरिया) की स्थापना हुई ।
 - उत्तर कोरिया और दक्षणि कोरिया दोनों ने क्षेत्रीय एवं वैचारकि रूप से अपनी पहुँच बढ़ाने की कोशशि की, जसिने कोरियाई संघर्ष को जन्म दिया ।



■ कोरियाई युद्ध:

- उत्तर कोरिया ने USSR के समर्थन से 25 जून, 1950 को दक्षिण कोरिया पर हमला किया और अंततः उसके अधिकांश हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया।
 - बदले में अमेरिका के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र बल ने जवाबी कार्रवाई की।
- वर्ष 1951 में डगलस मैकआर्थर के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने 38वें समानांतर रेखा को पार किया और उत्तर कोरिया के समर्थन से चीन में अपने प्रवेश को गता दी।
 - बाद में वर्ष 1951 में अमेरिका को आगे बढ़ने से रोकने के लिये शांति वार्ता शुरू हुई।
- भारत सभी प्रमुख हतिधारकों अमेरिका, यूएसएसआर और चीन को शामिल करके कोरियाई प्रायद्वीप में शांति वार्ता में सक्रिय रूप से शामिल था।
 - वर्ष 1952 में कोरिया पर भारतीय के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र (UN) में अपनाया गया था।
- 27 जुलाई, 1953 को संयुक्त राष्ट्र कमान, कोरियाई पीपुल्स आर्मी और चीनी पीपुल्स वालंटियर आर्मी के मध्य कोरियाई युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किये गए थे।
 - इसने शांति संधि के बिना एक आधिकारिक युद्धविराम का नेतृत्व किया। इस प्रकार युद्ध आधिकारिक तौर पर कभी समाप्त नहीं हुआ।
- इसने 'कोरियाई डमिलिटिआइज़्ड ज़ोन' (DMZ) की स्थापना का भी नेतृत्व किया जो कि उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच बफर ज़ोन के रूप में काम करने के लिये कोरियाई प्रायद्वीप में भूमि की एक पट्टी है।
- दिसंबर 1991 में उत्तर और दक्षिण कोरिया ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिसमें आक्रामकता से बचने के लिये सहमति व्यक्त की गई थी।

■ अमेरिका-उत्तर कोरिया संघर्ष:

- शीत युद्ध के दौर में (कथित रूप से रूस और चीन के समर्थन से) उत्तर कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रम में तेज़ी लायी और परमाणु क्षमता विकसित की।
 - उसी दौरान अमेरिका ने अपने सहयोगियों यानी दक्षिण कोरिया और जापान के लिये अपने न्यूक्लियर अम्ब्रेला (परमाणु हमले के दौरान समर्थन की गारंटी) का विस्तार किया।
- उत्तर कोरिया वर्ष 2003 में [अपरसार संधि \(एनपीटी\)](#) से हट गया और बाद में वर्तमान नेता किम जोंग-उन के तहत उसने परमाणु मसिइल परीक्षण में वृद्धि की।
 - उत्तर कोरिया को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बैलसिटिक मसिइलों और परमाणु हथियारों के परीक्षण से रोक दिया गया है।
- इसके जवाब में अमेरिका ने मार्च 2017 में दक्षिण कोरिया में [THAAD \(टरमिनल हाई एलटीट्यूड एरिया डेफेंस\)](#) को तैनात किया।
- उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच शुरू हुआ कषेत्रीय संघर्ष अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच की तकरार में तब्दील हो गया है।
- उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने के राजनयिक प्रयासों की वफिलता के बाद अमेरिका ने प्रतर्बिंध लगाए हैं।

■ भारत का रुख:

- भारत लगातार उत्तर कोरिया के परमाणु और मसिइल परीक्षणों का वरिोध करता रहा है। हालाँकि इसने प्रतर्बिंधों को लेकर तटस्थ रुख बनाए रखा है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

